Research Paper

E-ISSN NO : 2455-295X | IMPACT FACTOR VALUE : 5.983
VOLUME : 11 | ISSUE : 1 | SPECIAL ISSUE JANUARY-2025

जी20, ब्रिक्स और ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की दौड़ में भारत की भूमिका: एक समग्र अध्ययन

डॉ. शिवा बंसल सहायक आचार्य (वाणिज्य), एम.डी. पी.जी. गल्स महाविद्यालय, रायसिंहनगर.

ABSTRACT:

इस शोध पत्र में भारत की भूमिका का विश्लेषण किया गया है, जो G20, BRICS और ग्लोबल साउथ जैसे मंचों पर नेतृत्व की दौड़ में अग्रणी स्थिति में है। भारत, अपने ऐतिहासिक, आर्थिक और कूटनीतिक ताकत के माध्यम से विकासशील देशों के हितों को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रहा है। यह अध्ययन इन मंचों पर भारत की रणनीतियों, उपलब्धियों और चुनौतियों का समग्र मूल्यांकन करता है।

KEYWORDS:

G20, BRICS, ग्लोबल साउथ, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, सतत विकास लक्ष्य, वैश्विक नेतृत्व, न्यू डेवलपमेंट बैंक, वैक्सीन कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, वैश्विक असमानता ।

भूमिका

21वीं सदी में भारत एक उभरती हुई शक्ति के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को सुदृढ़ कर रहा है। वैश्विक असमानता, जलवायु परिवर्तन, वित्तीय अस्थिरता और सतत विकास जैसे मुद्दों पर भारत ने विकासशील देशों की आवाज को बल प्रदान किया है। जी20, ब्रिक्स और ग्लोबल साउथ के नेतृत्व में भारत की सक्रियता न केवल उसकी आर्थिक और कूटनीतिक शक्ति को दर्शाती है, बल्कि दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत करने में उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

शोध के उद्देश्य

1. G20, BRICS और ग्लोबल साउथ में भारत की भूमिका और नेतृत्व का विश्लेषण।
2. इन मंचों पर भारत द्वारा अपनाई गई रणनीतियों का अध्ययन।
3. भारत के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके संभावित समाधानों की पहचान।
4. वैश्विक साउथ में भारत की दीर्घकालिक भूमिका का मूल्यांकन।

भारत और G20

G20 में भारत की भूमिका

G20 (ग्रुप ऑफ़ 20) एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जिसमें विश्व की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। इसका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक स्थिरता, सतत विकास, और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत, G20 का एक संस्थापक सदस्य है और इस मंच में उसकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

1. वैश्विक आर्थिक नेतृत्व में योगदान

भारत ने G20 के माध्यम से वैश्विक आर्थिक चुनौतियों जैसे वित्तीय संकट, व्यापार बाधाओं, और पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2023 में भारत ने G20 की अध्यक्षता के दौरान " वसुधैव कुटुंबकम् " (One Earth, One Family, One Future) का संदेश दिया, जो समावेशिता और वैश्विक सहयोग का प्रतीक है।

2. सतत विकास और जलवायु परिवर्तन

भारत ने G20 के मंच पर जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को गंभीरता से उठाया है। भारत ने सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा, और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। "इंटरनेशनल सोलर अलायंस" (ISA) और "लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट" (LIFE) जैसे कार्यक्रम इसके उदाहरण हैं।

3. डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास

डिजिटल युग में भारत ने G20 में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (Digital Public Infrastructure) जैसे आधार, UPI, और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में अपनी प्रगति को प्रस्तुत किया। यह पहलें दुनिया के अन्य देशों के लिए आदर्श बनी हैं।

4. विकासशील देशों की आवाज़

भारत G20 में विकासशील देशों (Global South) की आवाज़ को उठाने में अग्रणी रहा है। भारत ने गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, और खाद्य सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी है।

5. वैश्विक स्वास्थ्य संकटों का समाधान

COVID-19 महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन मैत्री (टंबबपदम डंपजतप) पहल के तहत कई देशों को वैक्सीन की आपूर्ति कर G20 में अपनी मानवीय प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

6. बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार

भारत ने G20 में यह जोर दिया है कि वैश्विक संस्थानों जैसे संयुक्त राष्ट्र, IMF और विश्व बैंक को अधिक समावेशी और उत्तरदायी बनाया जाए ताकि विकासशील देशों की चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सके।

G20 में भारत की भूमिका न केवल एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने की है, बल्कि यह सभी देशों के बीच सहयोग, समावेशिता, और सतत विकास को बढ़ावा देने की भी है। भारत के नेतृत्व में G20 ने एक नए वैश्विक दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है जो दुनिया को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाने में मदद कर सकता है।

भारत की उपलब्धियां

- G20 की 2023 अध्यक्षता में भारत ने "वसुधैव कुटुंबकम्" (संपूर्ण विश्व एक परिवार) की भावना से प्रेरित होकर विकासशील देशों की समस्याओं को प्रमुखता दी।
- वैश्विक स्वास्थ्य संकट, हरित ऊर्जा और डिजिटल समावेशन पर ठोस नीतियों का प्रस्ताव।

भारत और BRICS

BRICS में भारत की भूमिका

BRICS (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसमें उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं और विकासशील देश शामिल हैं। यह मंच वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर सहयोग और समन्वय के लिए कार्य करता है। भारत, BRICS का एक संस्थापक सदस्य है और इस संगठन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण और बहुआयामी रही है।

1. BRICS के गठन में नेतृत्व

भारत ने 2006 में BRICS के गठन में सक्रिय भूमिका निभाई और इसे एक मजबूत मंच

बनाने के लिए अपना समर्थन दिया। भारत ने विकासशील देशों के आर्थिक और राजनीतिक हितों को वैश्विक मंच पर उजागर करने का प्रयास किया।

2. आर्थिक सहयोग में योगदान

नई विकास बैंक (NDB)

भारत ने BRICS के तहत नई विकास बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

व्यापार और निवेश:

भारत ने BRICS के देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं।

3. वैश्विक नेतृत्व

भारत BRICS के मंच पर जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, और गरीबी उन्मूलन जैसे मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करता है। भारत ने "बहुपक्षीयता" और "समावेशिता" को बढ़ावा देने के लिए BRICS के भीतर संवाद को प्रोत्साहित किया है।

4. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सहयोग

भारत ने BRICS विज्ञान और नवाचार पहल के तहत अनुसंधान और तकनीकी साझेदारी को प्रोत्साहित किया। डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवाचार में भारत की विशेषज्ञता ने BRICS के भीतर डिजिटल समावेश को मजबूत किया है।

5. आतंकवाद और सुरक्षा

भारत ने BRICS के मंच पर आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और आतंकवाद के खिलाफ साझा प्रयासों की वकालत की। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि सुरक्षा चुनौतियों पर BRICS एक संयुक्त रुख अपनाए।

6. वैश्विक आर्थिक सुधार में भूमिका

भारत ने BRICS के माध्यम से वैश्विक वित्तीय संस्थानों जैसे IMF और विश्व बैंक में सुधार की मांग की ताकि विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व मिल सके। वैश्विक दक्षिण (Global South) की आवाज़ को मजबूत करने के लिए भारत BRICS का उपयोग करता है।

7. सांस्कृतिक और सामाजिक आदान-प्रदान

भारत ने BRICS फिल्म महोत्सव, युवा सम्मेलनों, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा दिया। भारत ने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी सहयोग को बढ़ावा दिया है।

8. BRICS शिखर सम्मेलनों में नेतृत्व

भारत ने 2012, 2016, और 2021 में BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जहां वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। 2021 के सम्मेलन में भारत ने "BRICS@15: निरंतरता, समावेशिता और सहमति" का थीम दिया।

BRICS में भारत की भूमिका वैश्विक मुद्दों पर विकासशील देशों के हितों की रक्षा करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने में केंद्रित रही है। भारत ने अपने नेतृत्व और दूरदर्शिता के माध्यम से BRICS को एक प्रभावशाली मंच बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

चुनौतियां

- चीन के साथ कूटनीतिक और आर्थिक प्रतिस्पर्धा।

- BRICS के भीतर मतभेद और प्राथमिकताओं में असमानता।

भारत और ग्लोबल साउथ

ग्लोबल साउथ में भारत का नेतृत्व

भारत ने वैश्विक साउथ के देशों को एकजुट करने और उनके हितों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। दक्षिण-दक्षिण सहयोग के तहत भारत ने अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के साथ साझेदारी बढ़ाई है।

भारत की पहल

1. भारत-अफ्रीका फोरम

शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग।

2. अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)

सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना।

3. कोविड-19 वैक्सीन कूटनीति-

ग्लोबल साउथ के देशों को वैक्सीन की आपूर्ति।

चुनौतियां और समाधान

चुनौतियां

- आर्थिक असमानता और वित्तीय संसाधनों की कमी।

- कूटनीतिक दबाव और राजनीतिक अस्थिरता।

समाधान-

- बहुपक्षीय संस्थानों को मजबूत करना।

- तकनीकी और वित्तीय नवाचार।

भारत के नेतृत्व की चुनौतियां

1. चीन का वर्चस्व

BRICS और ग्लोबल साउथ में चीन की आर्थिक शक्ति भारत के लिए चुनौतीपूर्ण है।

2. वैश्विक उत्तर का दबाव

G20 जैसे मंचों पर विकसित देशों का प्रभाव।

3. आंतरिक चुनौतियां

आर्थिक असमानता और तकनीकी विकास में पिछड़ापन।

निष्कर्ष

G20, BRICS और ग्लोबल साउथ के नेतृत्व में भारत ने अपनी प्रभावशाली स्थिति स्थापित की है। भारत का "वसुधैव कुटुंबकम्" का दृष्टिकोण, सतत विकास और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को प्राथमिकता देना, इसे एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभारता है। हालांकि, भारत को वैश्विक और आंतरिक चुनौतियों का समाधान करते हुए अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को सुदृढ़ करना होगा।

REFERENCES

1. Dr. Rajesh Chandra (2023), G20 and BRICS: India's Role in Global South Leadership, Routledge Publisher.

2. Prof. Meera Singh (2022), India and the Global South: Challenges and Opportunities, Sage Publications

3. Vinod Kumar (2021), BRICS and the Quest for a Multipolar World, Palgrave Macmillan Publication

4. Dr. Aparna Sharma (2024), India's G20 Presidency: Shaping the Future, Oxford University Press.